62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 948   Participant Code: 114

"बढ़ते कदम :- उत्तम शिक्षा की ओर ..."

" हे मानव, ईश्वर की सबसे बड़ी
सृष्टि है तू,
दिल है तुम्हारा, जानना - समझना
आता है तुझे ।
फिर भी... फिर भी क्यों
तुम समझ न पाई कि
शिक्षा ही रक्षा है?
क्यों शिक्षा की चुनौतियों से
दूर भाग रहे हो तुम ?
क्या शिक्षा का महत्व नहीं जानते
या फिर जिंदगी में अंधेरे फैलाने
का दृढ़ निश्चय लिया है तूने !!"

वर्तमान शिक्षा क्षेत्र की जब बात की

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: .... Participant Code: 114

जाए तब यह पंक्तियाँ हृदय की दीवारों पर खड़खड़ाती है। पुराने मानव यानि हमारे पूर्वज अनपढ़ थे ... जब मानवीय सभ्यता शुरू हुई। फिर धीरे धीरे इशारे से शुरू होकर विविध संकेतों के सहारे पर बैठकर शब्द बनाये जिसने वक्त के चलते 'भाषा' का रूप धारण किया तथा अंत में लिखित भाषा या लिपी का जन्म हुआ। क्या आज हम शिक्षा के बिना एक जिंदगी गुज़ारनेवाले मानव की कल्पना भी कर सकते हैं ? शायद नहीं।

ईसानों को अन्य जंतुओं से अलग रखनेवाली अनोखी चीज़ शिक्षा ही तो है। हैना ? मानव पढ़े-लिखे हैं ... शिक्षित हैं।

शिक्षा ही रक्षा ...

हम सभी गर्व से कहते हैं कि हम

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: .... Participant Code: 114

शिक्षित है। लेकिन शिक्षा का सही अर्थ क्या है? शिक्षा का अर्थ है जानना,... हमारे समाज तथा आस-पास के वातावरण के बारे में, सहजीवियों के बारे में जानना, समझना तथा अपनी खूबियों को बढ़ाना, एक अच्छी एवं मूल्यवान जिंदगी की नींव होती है शिक्षा! संक्षेप में मिल-झुलकर खुशी से रहने के लिए जो कला हमें काबिल बनाती है उसे ही 'शिक्षा' का दुलारा नाम दिया गया है।

शिक्षा का परिवर्तन: शुरू से आज तक

शिक्षा प्रक्रिया जब शुरू हुई तब पहले बहुत कम लोगों तक ही सीमित थी। पेड़ों पर, पत्तों पर, मिट्ठी पर, पत्थरों पर चित्र बनानेवाले मानव आज स्कूलों में, प्रत्येक कक्षाओं

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....

Participant Code: 114

में पुस्तक तथा कलम के उपयोग करके
पाठ लिखते हैं जो अध्यापक रूपी
देवताएँ उन्हें परोसकर देते हैं!

"~~अगर~~ व्यक्ति ~~पैसे~~ अमीर न है
तो चलेगा,
किंतु ~~अगर~~ अनपढ है तो मृत के
समान है"

किसी महान व्यक्ति के शब्द आज
कितने प्रासंगिक हैं!

अगर शिक्षा न हो तो हम जानवरों
से अलग नहीं रहेंगे।

शिक्षा के तरीकों के बढ़ते कदम ...

सामान्य रूप से बच्चे रोज़ सुबह
बैग लेकर स्कूल के कक्षाओं पर बैठते
है तथा विविध विषय जैसे गणित,
भूगोल, शास्त्र, भाषाएँ सिखानेवाले प्रत्येक
अध्यापक बोर्ड पर पढने के लिए जानकारियाँ
लिख देते हैं, उनके बारे में चर्चा करते

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: .... Participant Code: 114

हैं। फिर कुछ समय बाद परीक्षा का आयोजन होता है तथा विद्यार्थी अपने काबीलियत, ~~4~~ अर्थात् लिखने की काबीलियत के दम पर अंक प्राप्त करते हैं।

आज जैसे विज्ञान का वैश्विक स्वरूप ~~दक्षक योग्य~~ उभर आया है, ऑनलाइन तरीके व्यापक प्रचार हासिल कर रहे हैं। इस प्रकार के तरीके लाभदायक तो ज़रूर है पर शिक्षा क्षेत्र में नई चुनौतियों को भी जन्म देता है।

शिक्षा की नई चुनौतियाँ :-

1) शिक्षा जो पाठपुस्तक तक सीमित है...

शिक्षा आजकल केवल पाठपुस्तक के सारे पन्नों का आँख बंद करके पढ़ना बन चुका है। छात्र पुस्तक के सारे

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....

Participant Code: 114

विवरणों को मन ही मन वाचन करके पढ़कर परीक्षा लिखकर पूरे अंग प्राप्त कर लेते हैं। यह सच कहे तो रोज़ ज़हर के एक-एक बूँद पीने के समान है। स्कूल से निकलकर ऐसे छात्र दुनिया में अपना व्यक्तित्व खो बैठते हैं। परीक्षा में जीतकर जिंदगी में वे हारते हैं। वे जो पढ़ते हैं, उसका महत्व समझ न पाते हैं। देश की प्रगति के लिए इस प्रकार की शिक्षा खतरनाक है।

2) <u>शिक्षा का ऑनलाइन रूप : बढ़ते अस्पताल के कमरे</u>

"अगर धन चला गया तो कुछ
भी नहीं चला गया
मगर स्वास्थ्य चला गया तो सब कुछ
चला गया"

पढ़ना, जानना, तथा सीखना जितना ज़रूरी है, एक स्वस्थ शरीर उतना ही महत्वपूर्ण

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No:

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: .... Participant Code: 114

है। आज विज्ञान की सबसे बड़ी देन है ऑनलाइन शिक्षा। वहाँ एक क्लास चित्र, वीडियो जैसे कई प्रकारों में हमारे सामने आ धमकते हैं। मोबाइल, संगणक, अंतरजाल के ज़रिए किसी भी वक्त हमारी सारी शंकाओं एक बट्टन दबाने पर दूर होती है। पहले कहते थे... "एक बच्चा, एक कलम, एक अध्यापक दुनिया बदल सकती है"

लेकिन आज यह कहना बेहतर रहेगा कि "एक बच्चा और एक मोबाइल दुनिया बदल सकता है" हम कहा तक पहुँच गये हैं, ज़रा सोचिए ना !!

हर सिक्के के दो पहलू हैं। आज हर छात्र ऑनलाइन कक्षा पर ज्यादा निर्भर रहने की वजह से आँखों में लालपन, सूखापन से शुरू कैंसर तक की बीमारियों का गुलाम बनते हैं। केवल शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....

Participant Code: 114

भी नकारात्म प्रभाव पड़ते हैं।

3) कृत्रिम बुद्धिमता का युग...
समाज तथा परिस्थिति से दूर होते सामाजिक जीव

आज हम इतने आगे आ चुके हैं कि कृत्रिम बुद्धिमता के साथ नये-नये यंत्रों का आविष्कार करने के योग्य हैं। 'सोफिया' नामक यंत्र महिला आज हमारे लिए दोस्त के समान है। आज इस प्रकार के यंत्र शिक्षा क्षेत्र को अपने चंगुल के लेने की तैयारी में हैं। वह समय दूर नहीं जब अध्यापकों की जगह यंत्र छात्रों को ज्ञान बाँटने लगे। चाहे विज्ञान के ये संतान कितने भी अच्छे क्यों न हो अध्यापकों की तरह छात्र के विचारों को समझकर उन्हें मूल्य-अतिष्ठित ज्ञान कभी नहीं प्रदान कर सकते। यंत्र द्वारा पढ़ाई छात्रों को जो

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जो भविष्य के जगमगाते तारे हैं, उन्हें समाज से दूर करके एक 'इंसानी यंत्र' के रूप में परिवर्तित करते हैं।

4) प्रायोगिक शिक्षा अंधेरे में गायब होती है।

हम जो भी सीखते हैं, उसके उपयोग की परीक्षा के बाद उसका प्रयोग करके सीखें तो वह ज्ञान मरते वक्त तक हमारा अटूट साथी रहेगा। लेकिन आज सिर्फ लिखित जानकारी जो अधिक रूप से मिलती है, बिना उसके प्रायोगिक तल के वह छात्रों की चिंता शैली नष्ट करती है। अध्यापक जो पाठभाग खत्म करने की दौड़ में सिर्फ यह कहते हैं कि 'यह जो लिखा है, उसी रूप से पढ़ो'। छात्र को कुछ और सोचने की ज़रूरत नहीं। तथा सोचे तो उसका उत्तर मिलना मुश्किल है।

5) पर्यावरण की मौत ~~सम्बक~~ प्राकृतिक दुर्घटनाएँ, एवं उससे उत्पन्न समस्याएँ

हमने देखा, जब कोरोणा ने पूरे जगत को अपनी चपेड़ में ले लिया था तब क्या हुआ। मनुष्य के लालची जीवन से जन्म लेते प्राकृतिक बदलाव अनेक समस्या उत्पन्न करते हैं। ऐसी हालत में ~~पढ़ाई~~ ~~के~~ विद्यालय बंद करने पड़ते हैं और कई गरीब तथा गाँव प्रदेशों के लोग जो ऑनलाइन सुविधा का इस्तेमाल न कर सकते हैं, शिक्षा से वंचित होते हैं जो एक बड़ी चुनौती है।

6) बढ़ते पाठपुस्तक, घटती रोज़गार संबंधी शिक्षा

आज कई जगहों में पाठपुस्तक में लिखी जानकारियों को बढ़ाया जाता है, जिसे पढ़ने के लिए छात्र पूरा साल लगा

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: .... Participant Code: ....

देत हैं। वे एक साँस लेनेवाला यंत्र बनते है और ~~स~~ जब रोज़गार केलिए प्रयास करते हैं तब कोई कलापरक खूबी ~~के~~ का प्रदर्शनि नहीं कर पाते। और जब ~~अं~~ परीक्षा के अंग की नीव पर सब कामकाज के लिए केंद्रों में पहूँचते हैं तब केवल कुछ ही लोग चुने जाते है और बाकी लोग घबराहट के साथ खुशी ~~भरी~~ भरे जीवन को ~~ब~~ ~~अपना~~ पीछे छोड़ जिंदगी ही खत्म करते हैं। बेरोजगारी तथा गरीबी बढ़ती है।

7) नई माध्यमों का आविष्कार : बुरी आदतों की लत में पड़ते युवा

आज कई लोग पढ़ाई के नाम पर मोबाइल, संगणक आदि माध्यमों का उपयोग करते हैं। लेकिन कई बार शिक्षा की जानकारियों के बीच हानिकारक वीडियो, तस्वीरें आ जाती है। कई युवा जानने

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No:

की उत्सुकता से उस जाल में फँसकर नशासेवन किए व्यक्तियों की तरह उसमें गुम होते हैं।

जीवन-मूल्यों की शिक्षा कोसों दूर

आज जो पाठ में हैं, वही पढ़ाते हैं। जीवन का लक्ष्य बस यही तक रहता है कि सारे पाठ पढ़ने हैं, अच्छे अंक प्राप्त करके सबसे ऊँचा, सबसे पहला बनना है। इस प्रतियोगिता के युग में 'दूसरे' पद की कोई जगह नहीं। पर हम भूलते हैं " इंसान बनके जन्म लेने से वह दर्जा नहीं मिलता, इंसान में जब इंसानियत झरने की तरह प्रवाहित होता है, तभी वह इंसान बनते हैं। आत्मविश्वास, उमंग, हर मुश्किल से लड़ने की क्षमता, विश्वास तथा कभी पीछे न हटने का हौसला शिक्षा से मिलना चाहिए। आज की शिक्षा

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....

Participant Code: ....

की सबसे बड़ी चुनौती यही है ~~कि बच्च~~।

हल कैसे ?

→ मूल्याधिष्ठित शिक्षा की योजना।
→ पाठपुस्तक के पन्नों की कमी तथा पर्यावरण के अनुकूल शिक्षा
→ ऑनलाइन शिक्षा का समय नियंत्रण
→ अध्यापकों को पाठ पढ़ाने के अलावा छात्र का मन समझकर उनकी विविध परेशानियों को सुलझाने की क्षमता होनी है।
→ रोज़गार परक शिक्षा
→ प्रायोगिक ढंग से दृश्य, श्रव्य माध्यमों द्वारा शिक्षा।
→ हर व्यक्ति को मुफ्त शिक्षा का आयोजन कॉलेज तक।

→

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

Page No:

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....

Participant Code: ....

शिक्षा का परिवर्तन :-
कोशिश कभी न मरता

शिक्षा अच्छे तथा हानिकारण रूप से प्राप्त कर सकते हैं। हमें फैसला करना है कि हमें क्या चुनना है, क्या बनना है। शिक्षा प्रणाली एक दो चेहरे वाला चाकू है। उपयोग करनेवालों के सोच पर वह निर्भर है। जैसे चाकू खूनी के हाथ लगने पर मौत तथा डॉक्टर के हाथ लगने पर नया जीवन मिलता है। शिक्षा अनिवार्य है। विज्ञान के बढ़ने के अनुसार नई साध्यताएँ हैं तथा सीमाएँ भी।

पर अगर हम निश्चय लें तो हर चुनौती का हल ढूँढकर अपना मत स्वतंत्रता से प्रकट करने को काबिल बनानेवाली उत्तम शिक्षा को अपना सकते हैं।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: ....   Participant Code: ....

" लहरों से डरकर नौका पार
नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार
नहीं होती ...
असफलता एक चुनौती है, उसे
स्वीकार करें,...
जब तक सफल ना हो, तब तक
नींद- चैन को त्यागो तुम
कुछ किये बिना ही जय - जयकार नहीं
होती ..."

यह कविता मन में विश्वास जगाती है। अगर हर छात्र तथा नागरिक उत्तम शिक्षा के लिए यत्न करेंगे, तब वह दिन दूर नहीं कि भारत शिक्षा में पहले स्थान का मुकुट धारण करेगा...